10. मीठी सारंगी

1. शब्दों के अर्थ जानो और याद करो—

उड़ेलना = उलटना, डालना

खाक = धूल-मिट्‌टी, राख

सिरहाना = तकिया सिर के पास

खुशामद = चापलूसी

चौपाल = गाँव में वह स्थान जहाँ पंचायत होती है।

चैन = राहत, सुख

झुँझलाना = खीजना, झल्लाना, गुस्सा आना

2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) गाँव में कौन आया?

....

....

(ख) गाँव के लोग किस चीज़ से दंग रह गए?

....

....

....

(ग) किसको सारंगी मीठी नहीं लगी?

....

....

(घ) भोला सारंगी वाले के पास जाकर क्यों बैठ गया?

....

....

....

....

(ङ) उसने सारंगी को कहाँ फेंक दिया?

....

....

3. विलोम शब्द छाँटकर लिखो—

कड़वापन/खटास, सुखी, नगर, सच, रात, रोता, चतुर, दुख

गाँव	×	....	झूठ	×	....
दिन	×	....	मिठास	×	....
भोला	×	....	आनंद	×	....
हँसता	×	....	दुखी	×	....

4. सही कथन पर (✓) का निशान लगाओ—

(क) लोगों ने कहा, 'सारंगी मीठी है' क्योंकि—

(i) सारंगी पर रस लगा हुआ था। ☐

(ii) सारंगी की आवाज़ बहुत अच्छी लग रही थी। ☐

(iii) सारंगी गुड़ की बनी हुई थी। ☐

(ख) सुबह होने पर सारंगी अपनी जगह पर नहीं थी क्योंकि—

(i) भोला ने सारंगी गाँव से बाहर फेंक दी थी। ☐

(ii) सारंगी घूमने चली गई थी। ☐

(iii) सारंगी वाले ने सारंगी कहीं छिपा दी थी। ☐

(ग) लोगों ने अपना सिर पीट लिया क्योंकि—

(i) उनके सिर में दर्द हो रहा था। ☐

(ii) भोला ने एकदम बेवकूफ़ी की थी। ☐

(iii) सारंगी चोरी हो गई थी। ☐

5. (क) किसने सोचा—

सारंगी मीठी ज़रूर है पर मुझे न जाने स्वाद क्यों नहीं आया। ....

कैसी मीठी सारंगी है! अहा! कितना आनंद आ रहा है। ....

(ख) किसने कहा—

तुम सब लोग झूठे हो और बाबा जी की खुशामद करते हो। ....

6. अनुस्वार (ं) और चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्दों का शुद्ध उच्चारण करो और इनका अंतर जानो—

गंगा	गाँव	हंस (पक्षी)	हँस (हँसना)
चंद्रमा	चाँद	बंसी	बाँसुरी
अंग	अँगीठी	कंचा	काँच

रचनात्मक अभिव्यक्ति

नीचे तरह-तरह के बाजों के चित्र दिए गए हैं। उनके नाम लिखो—

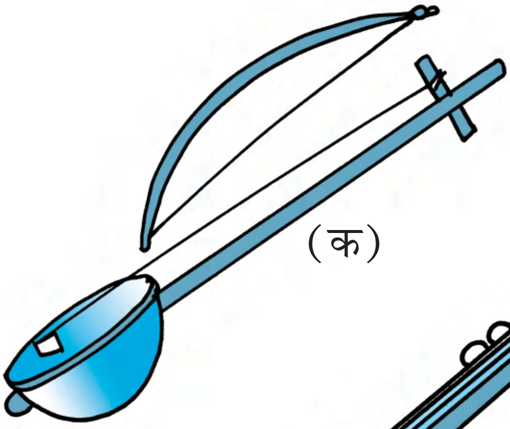
(क)

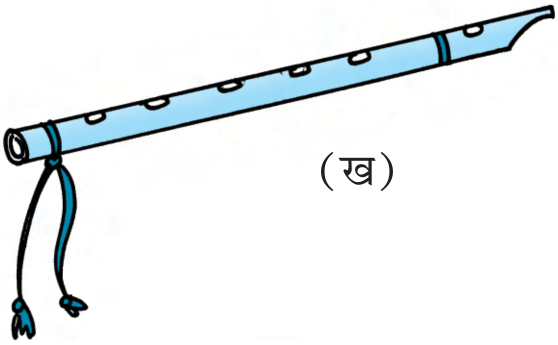
(ख)

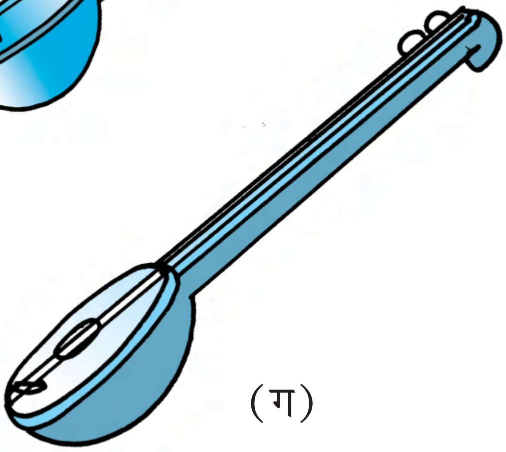
(ग)

(घ)

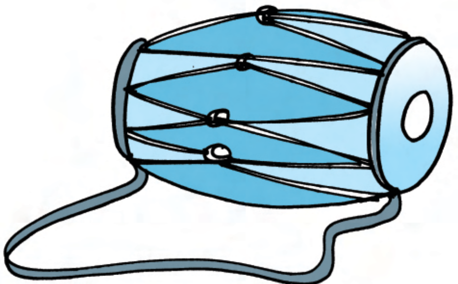
(ङ)

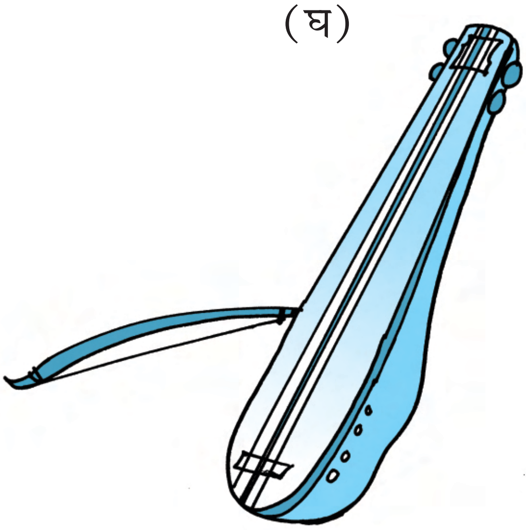
(च)

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

(ङ) ....

(च) ....